



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूजा विधि ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूजा विधि ॥

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा विशेष रूप से मध्यरात्रि में उनके जन्म समय पर की जाती है। भक्त बाल गोपाल का अभिषेक करके उन्हें नए वस्त्र पहनाते हैं, माखन-मिश्री का भोग लगाते हैं और आरती करते हैं।

पूजा स्थान की तैयारी

सबसे पहले पूजा स्थान को साफ करके वहाँ चौकी रखें और उस पर स्वच्छ पीला या लाल कपड़ा बिछाएँ। चौकी पर भगवान श्रीकृष्ण या बाल गोपाल की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान के लिए सुंदर झूला भी सजाया जा सकता है।

पूजा सामग्री

बाल गोपाल की प्रतिमा

पंचामृत

गंगाजल

पीले वस्त्र

चंदन और अक्षत

तुलसी दल

फूल एवं माला

धूप और दीप

माखन-मिश्री

फल एवं मिठाई

शंख और घंटी

भगवान के लिए मुकुट एवं आभूषण

गणेश जी का स्मरण

पूजा की शुरुआत भगवान गणेश का ध्यान करके करें। दीपक जलाएँ और भगवान गणेश से पूजा निर्विघ्न पूर्ण होने की प्रार्थना करें।

श्रीकृष्ण का ध्यान और आवाहन

भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करते हुए उन्हें पूजा में आमंत्रित करें और श्रद्धापूर्वक प्रार्थना करें।

मंत्र:

“ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।”

इस मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करें।

बाल गोपाल का अभिषेक

मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म समय पर बाल गोपाल का अभिषेक करें।

सबसे पहले गंगाजल से स्नान कराएँ, फिर दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बने पंचामृत से अभिषेक करें। अंत में पुनः शुद्ध जल या गंगाजल से स्नान कराएँ।

श्रृंगार करें

अभिषेक के बाद बाल गोपाल को स्वच्छ एवं सुंदर वस्त्र पहनाएँ। उन्हें मुकुट, मोरपंख, आभूषण और फूलों की माला से सजाएँ। चंदन का तिलक लगाएँ।

तुलसी एवं पुष्प अर्पित करें

भगवान श्रीकृष्ण को फूल और तुलसी दल अर्पित करें। तुलसी अर्पित करते समय भगवान का नाम स्मरण करें।

भोग लगाएँ

भगवान को माखन-मिश्री, दूध, दही, फल, मिठाई और अन्य सात्विक पकवानों का भोग लगाएँ। भोग में तुलसी दल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

धूप-दीप एवं आरती

धूप और दीप जलाकर भगवान श्रीकृष्ण की आरती करें। शंख और घंटी बजाएँ तथा कृष्ण भजन और कीर्तन करें।

“नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की।”

इसके बाद भगवान को झूले में विराजमान करके श्रद्धापूर्वक झूला झुलाएँ।

प्रार्थना और प्रसाद वितरण

पूजा के अंत में भगवान श्रीकृष्ण से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगल की प्रार्थना करें। भगवान को अर्पित भोग को प्रसाद के रूप में परिवार और भक्तों में वितरित करें।